India @ G20 के उद्घाटन समारोह में माननीय अध्यक्ष जी का संबोधन
(नॉर्थ बंगाल सहोदय स्कूल कॉम्प्लेक्स, सिलीगुड़ी)

नार्थ बंगाल के 80 से ज्यादा विद्यालय के आए विविध छात्र और छात्राएं, यहां पधारे सभी विशिष्टजन, दार्जिलिंग के सांसद और संसद में मेरे सहयोगी श्री राजू बिस्ट जी, जलपाईगुड़ी से सांसद डॉक्टर जयंत कुमार राय जी, विधायक दुर्गा मुर्मू जी, आईजी अजय सिंह जी, इस सारे कार्यक्रम के कोआर्डिनेटर अग्रवाल साहब, अध्यापक एवं अध्यापिकागण।

मैं आप सबका स्वागत करता हूं, अभिनंदन करता हूं। हम सबके लिए यह प्रसन्नता और गौरव का विषय है कि भारत को जी-20 की अध्यक्षता करने का अवसर मिला है।

जी-20 की अध्यक्षता का नेतृत्व वह देश कर रहा है, जो दुनिया का सबसे प्राचीनतम लोकतंत्र देश है। हमारा लोकतंत्र आजादी के बाद का लोकतंत्र नहीं है। हमारा लोकतंत्र प्राचीनतम लोकतंत्र है। हमारे कार्य में, हमारे विचारों में हमारे निर्णय में हमेशा लोकतंत्र रहा है और 75 वर्ष की लोकतंत्र की यात्रा में हमने लोकतंत्र और सशक्त किया है, मजबूत किया है और 75 वर्ष यात्रा के साथ हमने जिस तरीके से संसदीय लोकतंत्र के माध्यम से भारत में आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन करते हुए आज दुनिया के अंदर भारत हर क्षेत्र में अग्रणी रूप से नेतृत्व कर रहा है।

हमारे प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी, जो विश्व के अग्रणी नेता हैं, सर्वमान्य नेता हैं, जिन्होंने इस जी-20 को किस तरीके से हमारा "वसुधैव कुटुंबकम" का विचार है। सारा विश्व हमारा परिवार है, ऐसी हमारी संस्कृति रही है। हमारे संस्कार रहे हैं और आगे भी इसी संस्कृति संस्कार को जी-20 की थीम पर "एक पृथ्वी एक परिवार" की जो भारत की प्रकृति है, खुशहाली है, उसको लाने में हमारे नौजवानों का बहुत बड़ा योगदान रहा है। मेरे सामने जो भावी पीढ़ी बैठी हुई है, जिन्होंने इस भारत को विकसित भारत बनाने के सपनों को देखा है। जिन्होंने नए इनोवेशन, नए चिंतन, नई सोच के साथ भारत को विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया है और इसी पीढ़ी के कारण आने वाले समय में

भारत दुनिया का नेतृत्व करेगा। जो हमारी प्रकृति है, इन नौजवानों में आत्मविश्वास है, काम करने का जुनून है और इनकी बौद्धिक क्षमता उनकी संस्कृति, संस्कार, आध्यात्मिक ज्ञान, इस भारत को तो प्रगति की ओर ले जा रहे हैं। पूरे विश्व के अंदर आने वाले समय के अंदर उन देशों के सामाजिक, आर्थिक और आध्यात्मिक परिवर्तन में भी हमारे नौजवान विद्यार्थियों का बहुत बड़ा योगदान रहेगा।

आज हमने जिस विषय को लेकर यहां पर कार्यक्रम का आयोजन किया है कि पर्यटन और पर्यटन के साथ सऊदी अरब और भारत के संबंधों को लेकर, पर्यटन की दृष्टि से देखें तो भारत वह देश है, जो सबसे विशालतम देश है जिनमें विविध विविधता है। अलग अलग संस्कृति, अलग अलग भाषा, अलग अलग बोली,अलग-अलग खानपान, यहां पर मैं देख रहा हूं जो मेरे विद्यार्थी साथ ही बैठे हैं, वह अलग-अलग प्रदेशों से आए हैं जिनकी अलग-अलग भाषा है, अलग-अलग संस्कृति है, अलग-अलग खानपान हैं, लेकिन यह विविधता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। यह दुनिया को हमने इस 75 वर्ष की लोकतंत्र की यात्रा में दिखाया है कि किस तरह से विविधता हमारी सामूहिकता की शक्ति है। और इसीलिए पर्यटन की दृष्टि से देखें तो आज पर्यटन की दृष्टि से भी हमारी विविधताए हैं। पर्यटन, जहां एक तरफ हम चले जाएं, तो पहाड़ है, नदियां हैं, झील है, झरने हैं, जंगल है, दुनिया का सबसे बड़ा पर्वत एवरेस्ट हमारे पास है। दुनिया की सबसे बड़ी नदियां भी हमारे पास है। हमारी पर्यटन की बड़ी विशेषताएं हैं।

हमारा पर्यटन हमारी विरासत और अद्भुत संस्कृति का एक संगम है। हमारी विरासत अलग-अलग राज्यों के अलग-अलग संस्कृति है, कहीं किले हैं, कहीं बावडिया हैं, कहीं रेगिस्तान है, कहीं समुद्र है, अलग-अलग संस्कृति के अंदर अलग-अलग विविधता का पर्यटन दुनिया को भारत की ओर आकर्षित करता है। इस क्षेत्र के अंदर भी पर्यटन के विकास की बड़ी संभावनाएं हैं। मैं अभी सीपीए zone-3 की बैठक से आ रहा हूं। सिक्किम राज्य जो पर्यटन की दृष्टि से विविधता लिए हुए है, जो जैविक खेती के अंदर दुनिया के अंदर सबसे पहला जैविक प्रदेश बना है। वहां की संस्कृति, वहां के लोगों का व्यवहार, वहां के नौजवानों की अद्भुत क्षमता, झील, झरने और सबसे बड़ा पहाड़ कंचनजंगा, जिस के संरक्षण में पूरा सिक्किम है, पूर्वोत्तर में चले जाए, तो दार्जिलिंग के सांसद जी यहाँ बैठे हैं और दार्जिलिंग का अपना एक महत्व रहा है। दार्जिलिंग के लोगों की सामर्थ्य शक्ति, ऊंचे पहाड़, चाय के बागान, अलग-अलग इस जलपाईगुड़ी से लेकर अलग-अलग, जितने भी क्षेत्र में चले जाओ, अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग विविधता हमारे क्षेत्रों की है और यही पर्यटन की विविधताए सारी दुनिया

को आने वाले समय में आकर्षित करेंगी। बंगाल का अलग है, आगे निकल जाएं, तो सिक्किम का अलग है, नागालैंड का अलग है, तो आसाम अलग है, मणिपुर का अलग है, तो त्रिपुरा का अलग है।आप चले जाएं बिहार, तो भगवान बुद्ध की धरती, शांति और अध्यात्म की धरती। असम चले जाएं, तो मां कामाख्या की धरती, नाग मंदिर दर्शनीय स्थल है, भारत जहां संस्कृति का पर्यटन का क्षेत्र है, वहीं आध्यात्मिक पर्यटन के केंद्र भी भारत में है।

दुनिया के लोग शांति के लिए भारत में आते हैं इसलिए आध्यात्मिक पर्यटन के रूप में भी दुनिया के अंदर कोई देश है, तो भारत है और इसीलिए आध्यात्मिक पर्यटन ले लो मेडिकल टूरिज्म के क्षेत्र में भी अलग-अलग पर्यटन के अलग-अलग क्षेत्र दुनिया को आकर्षित कर रहे हैं। और इसीलिए जहां तक पर्यटन का संबंध है, तो सऊदी अरब से भी हमारे घनिष्ठ संबंध रहे हैं। सऊदी अरब से हमारे बहुत पुराने रिश्ते रहे हैं। सऊदी अरब के अंदर वहां पर आध्यात्मिक पर्यटन के लिए जाते हैं। हमारे लोग सऊदी अरब के अंदर वहां आध्यात्मिक उत्थान के लिए जाते हैं। जो दुनिया का सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश है, भारत वहां से तेल आयात करता है।

सऊदी अरब और भारत में एक समानता है। सऊदी अरब और भारत दोनों ने वर्ष 2030 के अंदर एक विजन से देश को बदलने का काम किया है। और भारत में आजादी के 75 साल में लाल किले से प्रधानमंत्री जी ने आह्वान किया है कि 2047 में भारत विकसित राष्ट्र बनेगा। हमारे 140 करोड़ लोगों के सहयोग से। उनके सामर्थ्य से, उनकी शक्ति से और सब के सहयोग से हम भारत को दुनिया का विकसित राष्ट्र बनाने का काम हम करेंगे। और इसीलिए आज मैं आप सबको शुभकामनाएं देता हूं बधाई देता हूं कि कि इस आयोजन के लिए कि आपने यहां की पर्यटन की संभावनाओं पर चर्चा की हमारे विद्यार्थी देश और दुनिया में पर्यटन की संभावनाओं पर विचार विमर्श करेंगे और भारत के पर्यटक स्थलों को अपने सोशल मीडिया के माध्यम से आईटी के उपयोग के माध्यम से दुनिया में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को बताएंगे।

आइए भारत को देखिए। जहां सांस्कृतिक पर्यटन हैं जहां धार्मिक पर्यटन हैं, जहां आध्यात्मिक पर्यटन हैं, वहां हमारी विरासत, हमारी संस्कृति को हमने अपने पुरातत्व संरक्षण का काम करने वालों से संरक्षित करने का काम भारत को एक पर्यटन देश बनाने का काम किया है।

मुझे आशा है, यहां का विद्यार्थी और जी-20 में हमारे देश के सभी देश के विद्यार्थी आपस में जी-20 के होने वाले सुखद अवसरों का लाभ उठाएंगे और दुनिया एक है और सोशल मीडिया ने दुनिया को एक कर दिया है यहां के विद्यार्थी जब चर्चा करेंगे तो दुनिया के जी-20 के देशों के विद्यार्थियों में भी भारत आने के प्रति आकर्षण होगा। आप सबको बहुत-बहुत शुभकामनाएं, बहुत-बहुत बधाई।

———————